**भारत सरकार**

**पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय**

**राज्‍य सभा**

**अतारांकित प्रश्‍न सं0 2998**

**दिनांक 21 मार्च, 2018**

**पेट्रोलियम आयातों पर निर्भरता में कमी**

**2998. श्री राम कुमार कश्यपः**

क्या पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या देश में पेट्रोलियम उत्पादों की मांग सालाना लगभग 10 प्रतिशत तक बढ़ती रही है और कच्चे तेल एवं गैस का घरेलू उत्पादन करीब-करीब स्थिर है अथवा घट रहा है;

(ख) क्या प्रधान मंत्री ने वर्ष 2022 तक पेट्रोलियम आयातों पर निर्भरता को 10 प्रतिशत कम करने का आह्वान किया है ;

(ग) यदि हां, तो प्रधान मंत्री के विज़न को कार्यान्वित करने के लिए क्या उपाय किए गए हैं;

(घ) वर्ष 2022 तक की अवधि के दौरान कच्चे तेल के आयात में कटौती के लिए तय वार्षिक लक्ष्य क्या हैं, तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) विगत तीन वर्षों के दौरान आयातित कच्चे तेल की मात्रा का वर्ष-वार ब्यौरा क्या है?

**उत्तर**

**पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री**

**(श्री धर्मेन्द्र प्रधान)**

**(क):**वर्ष 2015-16 और 2016-17 के दौरान पेट्रोलियम उत्‍पादों की खपत और कच्‍चे तेल और प्राकृतिक गैस का उत्‍पादन निम्‍नवत है:

|  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- |
| **वर्ष** | **खपत (एमएमटी)** | **कच्‍चे तेल का उत्‍पादन (एमएमटी)** | **प्राकृतिक गैस का उत्‍पादन (बीसीएम)** |
| 2015-16 | 184.67 | 36.94 | 32.25 |
| 2016-17\* | 194.60 | 36.01 | 31.90 |

\* = अनंतिम

**(ख) से (घ):** प्रधान मंत्री के आह्वान पर वर्ष 2021-22 तक ऊर्जा के क्षेत्र में तेल और गैस के आयात पर निर्भरता में 10 प्रतिशत की कमी करने का लक्ष्य हासिल करने के लिए मंत्रालय केंद्र सरकार के विभिन्‍न मंत्रालयों के सहयोग से काम कर रहा है। मंत्रालय ने  पंच उद्देश्‍यीय कार्यनीति के साथ एक रोडमैप तैयार किया है जिसमें मौटे तौर पर तेल और गैस के घरेलू उत्‍पादन को बढ़ाना, ऊर्जा दक्षता और संरक्षण के उपायों को बढ़ावा देना, मांग प्रतिस्‍थापन पर जोर देना, जैव-ईंधनों तथा अन्‍य वैकल्पिक ईंधनों/नवीकरणीय ईंधनों की अप्रयुक्‍त क्षमता का उपयोग करना तथा रिफाइनरी प्रक्रिया सुधार संबंधी उपायों को कार्यान्वित करना शामिल है। पंच उद्देश्‍यीय कार्यनीति के तहत प्रस्‍तावित रोडमैप के प्रभावी कार्यान्‍वयन पर नजर रखने के लिए पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री की अध्‍यक्षता में एकीकृत निगरानी और सलाहकार परिषद (आईएमएसी) का भी गठन किया गया है और इसमें अन्‍य मंत्रालयों और विभागों के प्रतिनिधियों को आईएमएसी के सदस्‍यों के रूप में शामिल किया गया है।

सरकार ने देश में तेल और गैस का अन्‍वेषण और उत्‍पादन बढ़ाने के लिए अनेक कदम उठाये हैं जिनमें अन्‍य बातों के साथ-साथ हाइड्रोकार्बन अन्‍वेषण लाइसेंसिंग नीति (एचईएलपी) तथा खुला रकबा लाइसेंसिंग नीति (ओएएलपी), खोजे गए लघु क्षेत्र संबंधी नीति (डीएसएफ), दुर्गम क्षेत्रों के लिए प्रीमियम सहित गैस मूल्‍य निर्धारण संबंधी सुधार, दुर्गम क्षेत्रों से उत्‍पादित गैस के लिए विपणन की आजादी प्रदान करना, गैर मूल्‍यांकित क्षेत्रों के लिए राष्‍ट्रीय भूकंपीय कार्यक्रम, मौजूदा उत्‍पादन हिस्‍सेदारी संविदाओं में जटिलताओं को दूर करना और पीएससी व्‍यवस्‍था के तहत अवधि बढ़ाए जाने के लिए पारदर्शी और सुस्‍पष्‍ट नीति आदि शामिल हैं। सरकार ने एथेनॉल और जैव डीजल जैसे वैकल्पिक ईंधनों के उपयोग को प्रोत्‍स‍ाहित करने तथा पेट्रोलियम उत्पादों के संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए अनेक पहलें की हैं। इन क्षेत्रों में कुछ महत्‍वपूर्ण उपलब्धियों में अन्‍य बातों के साथ-साथ डीएसएफ नीति के तहत 30 हाईड्रोकार्बन वाले संविदा प्रदान करना, 55 तेल और गैस ब्‍लॉकों के लिए ओएएलपी के तहत बोलियां शुरू करना, गैस आधारित अर्थव्‍यवस्‍था को बढ़ावा देने के लिए प्रधान मंत्री ऊर्जा गंगा के तहत 40 प्रतिशत पूंजी अनुदान का अनुमोदन, एथेनॉल की आपूर्ति में सुधार, हाई स्‍पीड डीजल के साथ मिश्रण हेतु सभी उपभोक्‍ताओं को जैव-डीजल की सीधी बिक्री तथा 12 स्‍थानों पर जैव-रिफाइनरी  (2जी एथेनॉल) की स्‍थापना के लिए एमओयूज पर हस्‍ताक्षर करना आदि शामिल हैं।

**(ड.):** पिछले तीन वर्षों के दौरान आयतित कच्‍चे तेल का वर्ष-वार ब्‍यौरा नीचे दिया गया है:

|  |  |
| --- | --- |
| वर्ष | आयातित कच्‍चा तेल (एमएमटी) |
| 2014-15 | 189.4 |
| 2015-16 | 202.9 |
| 2016-17\* | 213.9 |

\* = अनंतिम

कच्‍चे तेल आयातों में घरेलू खपत मांग और साथ ही पेट्रोलियम उत्‍पाद निर्यातों के लिए संसाधित मांग शामिल है।

\*\*\*\*\*